Teacher's Manual

Carvaan

व्याकरण

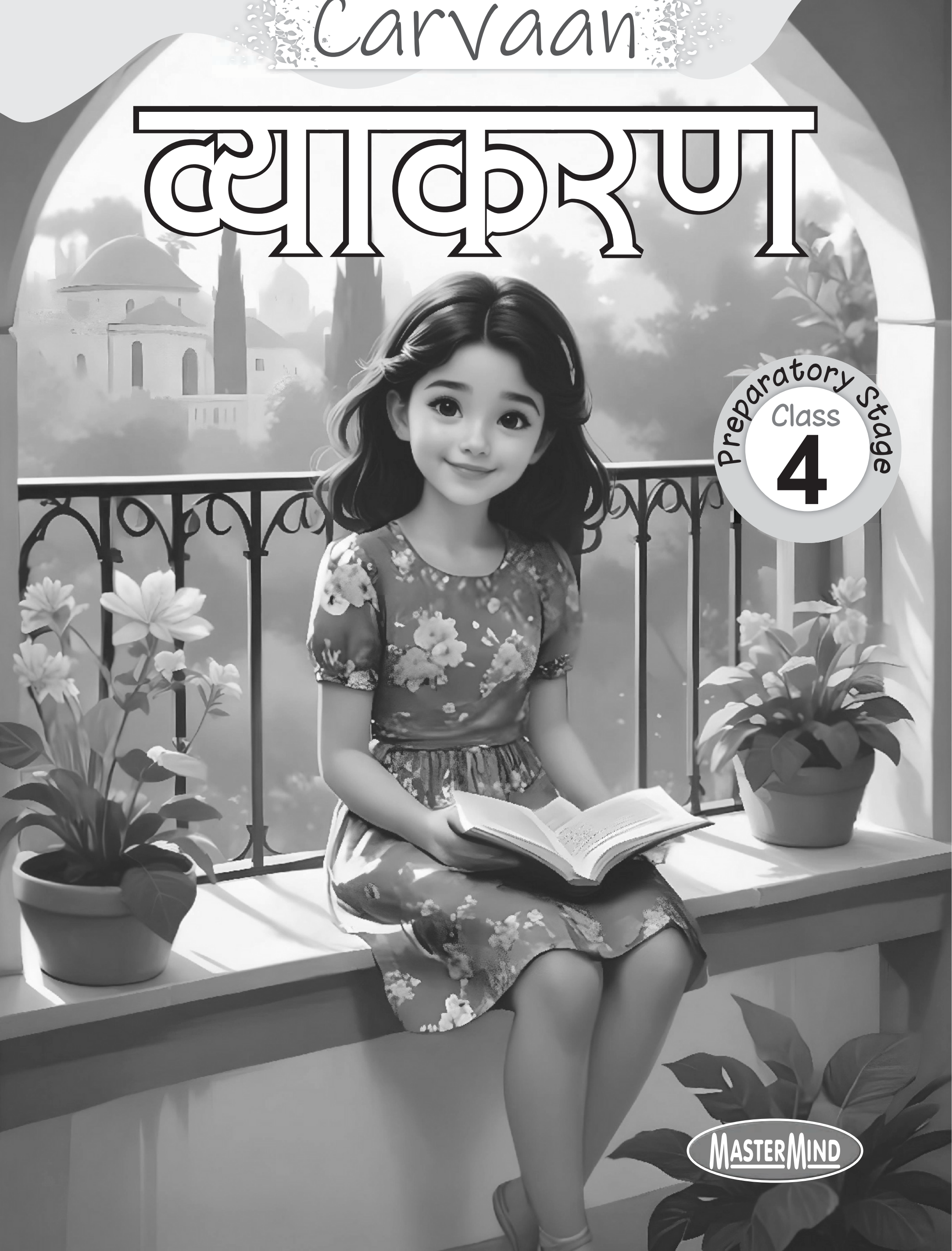

Preparatory Stage

Class 4

MASTERMIND

Carvaan

व्याकरण भाग-4

अध्याय 1
भाषा और व्याकरण

मौखिक प्रश्न

उ० (क) अपने मन की बात दूसरों तक पहुँचाने तथा दूसरों के मन की बात समझने का ढंग भाषा कहलाता है।

(ख) भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक और लिखित।

(ग) भाषा को लिखने के लिये निर्धारित किये गये चिह्नों को लिपि कहते हैं।

(घ) हिंदी - देवनागरी, अंग्रेजी - रोमन, पंजाबी - गुरुमुखी

(ङ) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii)	(ख) (i)	(ग) (iii)
उ०2. (क) ✗	(ख) ✓	(ग) ✗
(घ) ✗	(ङ) ✓	
उ०3. (क) मौखिक, लिखित	(ख) मौखिक	(ग) लिपि
(घ) जापानी, कश्मीरी	(ङ) शुद्ध	

क्रियात्मक कार्य

•

(पंजाबी)

भाषा - पंजाबी
लिपि - गुरुमुखी

(प० बंगाल)

भाषा - बंगाली
लिपि - बांग्ला

(केरल)

भाषा - मलयालम
लिपि - ब्रह्मी

अध्याय 2

वर्ण-विचार

मौखिक प्रश्न

उ० (क) भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।

(ख) स्वर बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से बोले जा सकते हैं जबकि व्यंजन को बोलने में दूसरे वर्णों (स्वरों) की सहायता लेनी पड़ती है।

(ग) दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजनों को संयुक्त व्यंजन कहते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

उ०2. (क) आ – आकाश आकार (ख) ए – एकतारा एकता

(ग) ऋ – ऋषि ऋषभ (घ) औ – औजार औखली

उ०3. (क) 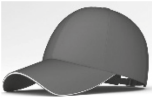

टप

टोपी

(ख)

थल

थैला

(ग)

चह

चूहा

(घ)

सरज

सूरज

(ङ)

गलब

गुलाब

(च)

ललटन

लालटेन

उ०4. (क) न्+अ+द्+ई = नदी

(ख) न्+आ+न्+ई = नानी

(ग) प्+ऐ+स्+आ = पैसा

(घ) क्+अ+व्+इ+त्+आ = कविता

(ङ) त्+इ+त्+अ+ल्+ई = तितली

(च) च्+इ+ड्+इ+य्+आ = चिड़िया

उ०5. (क) गगा गंगा (ख) तरग तरंग
(ग) ऊट ऊँट (घ) तागा ताँगा
(ङ) पख पंख (च) साप साँप

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) स्वयं करें।

(ख)

टक	सूय	कम	माग	टेन
ट्रक	**सूर्य**	**क्रम**	**मार्ग**	**ट्रेन**

(ग) स्वयं करें।

अध्याय 3
शब्द और वाक्य

मौखिक प्रश्न

उ० (क) शब्द दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से बनते हैं।
(ख) शब्द दो प्रकार के होते हैं।
(ग) शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनता है।
(घ) वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्देश्य तथा विधेय।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)
(घ) (ii)

उ०2. (क) सीरकु - कुरसी (ख) नीकहा - कहानी
(ग) दिरमं - मंदिर (घ) लूभा - भालू
(ङ) नकादु - दुकान (च) लेजबी - जलेबी

उ०3. (क) <u>ममता</u> ने चित्र बनाया। (ख) <u>पिताजी</u> दूध लेने गए।
(ग) <u>साँप ने</u> नेवले को पकड़ा। (घ) <u>घोड़ा</u> तेज दौड़ता है।
(ङ) <u>चिड़िया</u> पेड़ पर बैठी है।

उ०4. (क) सुबह से वर्षा हो रही है।
(ख) रमन के पिता दुकानदार हैं।
(ग) हाथी अहिंसक जानवर है।
(घ) हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिये।
(ङ) बच्चा स्कूल पढ़ने गया है।

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) मित्र – श्रेयांश तथा रोहित मित्र हैं।
आसमान – आसमान नीला है।
परिश्रम – परिश्रम का फल मीठा होता है।
पूजा – दादी जी पूजा कर रही हैं।
शिक्षक – शिक्षक कक्षा में पढ़ा रहे हैं।

(ख) (i) उड़ा रहा है। (ii) पका रही है।
(iii) फल (iv) बहन
(v) दिल्ली

अध्याय 4

संज्ञा

मौखिक प्रश्न

उ० (क) व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान एवं भाव के नामों को संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक।

(ग) विराट कोहली, यमुना, लालकिला, कानपुर।

(घ) जातिवाचक संज्ञा से किसी जाति का बोध होता है।

(ङ) सुख, दुख, वीरता आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

(घ) (i)

उ०2. (क) आगरा (ख) मिठास (ग) शिक्षक

(घ) नरेन्द्र मोदी (ङ) चित्रकार

उ०3.

	भेद
(क) बच्चे खेल रहे हैं।	जातिवाचक
(ख) सुगंधा मेरी मित्र है।	व्यक्तिवाचक
(ग) दिल्ली में वर्षा हो रही है।	व्यक्तिवाचक
(घ) बाग में हरियाली है।	जातिवाचक
(ङ) बकरी घास खा रही है।	जातिवाचक

क्रियात्मक कार्य

- दो देशों के नाम– (i) भारत (ii) रूस
  दो शहरों के नाम– (i) जयपुर (ii) मेरठ
  दो दिनों के नाम– (i) रविवार (ii) सोमवार
  दो नदियों के नाम– (i) गंगा (ii) यमुना
  दो पेड़ों के नाम– (i) पीपल (ii) नीम
  दो महापुरुषों के नाम– (i) स्वामी विवेकानंद
  (ii) स्वामी दयानंद सरस्वती
  दो खेलों के नाम– (i) फुटबॉल (ii) क्रिकेट
  दो खिलाड़ियों के नाम– (i) विराट कोहली (ii) नीरज चोपडा

अध्याय 5

लिंग : पुल्लिंग-स्त्रीलिंग

मौखिक प्रश्न

उ० (क) पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।

(ख) लिंग दो प्रकार के होते हैं- पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।

(ग) पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं।

(घ) रानी, चिड़िया, सखी, मोरनी, देवी आदि।

(ङ) मंत्री, राजपाल, सचिव आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

(घ) (iii)

उ०2.

नर	- नारी	दास	- दासी
बालिका	- बालक	हाथ	- हथिनी
विद्वान	- विदुषी	गाय	- बैल
गायक	- गायिका	सेवक	- सेविका

उ०3. (क) रंजीता ने भिखारी को वस्त्र दिया।

(ख) बच्चा गुड्डे से खेल रहा है।

(ग) सेठानी ने नौकरानी को निकाल दिया।

(घ) बैल पेड़ के नीचे बैठ गया।

(ङ) बकरा घास खा रहा है।

उ०4. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग

(घ) स्त्रीलिंग।

क्रियात्मक कार्य

उ० (क)

चूहा	- चुहिया	लड़का	- लड़की
माता	- पिता	गुड़िया	- गुड्डा

(ख)

तिथियों के नाम	सदैव स्त्रीलिंग
भाषाओं के नाम	सदैव स्त्रीलिंग
वृक्षों के नाम	सदैव पुल्लिंग
अनाजों के नाम	सदैव पुल्लिंग
नदियों के नाम	सदैव स्त्रीलिंग
दिनों के नाम	सदैव पुल्लिंग

अध्याय 6

वचन

मौखिक प्रश्न

उ० (क) संख्या का बोध कराने वाले शब्दों को वचन कहते हैं।

(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं- एकवचन और बहुवचन।

(ग) चाँदी, जल, लोहा आदि।

(घ) हस्ताक्षर, आँसू, दर्शन, बाल, लोग आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

(घ) (i)

उ०2. छुट्टी - छुट्टियाँ | रात - रातें

वधु - वधुएँ | बगीचा - बगीचे

कन्या - कन्याएँ | पाठशाला - पाठशालाएँ

कक्षा - कक्षाएँ | कहानी - कहानियाँ

ठेला - ठेले

उ०3. (क) मछलियाँ (ख) साड़ियाँ (ग) सेब

(घ) पौधे (ङ) कपड़े

उ०4. (क) फूल पर तितली बैठी है।

(ख) मालकिन ने सभी नौकरानियों को उपहार दिये।

(ग) हलवाई ने बहुत सारे समोसे बनाये।

(घ) पेड़ से पत्त गिर गये।

(ङ) मेरे पास आठ किताबें हैं।

क्रियात्मक कार्य

- कड़ाही - कड़ाहियाँ | चूल्हा - चूल्हे
  कटोरी - कटोरियाँ | चिमटा - चिमटे
  प्लेट - प्लेटें | डिब्बा - डिब्बे
  थाली - थालियाँ | लोटा - लोटे
  कलछी - कलछियाँ | छलनी - छलनियाँ

अध्याय 7
सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

उ० (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

(ख) सर्वनाम के छह भेद हैं।

(ग) (1) पुरुषवाचक सर्वनाम (2) निश्चयवाचक सर्वनाम
(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (4) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(5) संबंधवाचक सर्वनाम (6) निजवाचक सर्वनाम

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत करता है जबकि अनिश्चयवाचक सर्वनाम से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति को बोध नहीं होता है।

(ङ) जिस सर्वनाम का प्रयोग कर्ता के स्वयं हेतु किया जाता है उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं जैसे- अपने-आप आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)
(घ) (iii)

उ०2.

सर्वनाम	भेद
(क) अपना	निजवाचक सर्वनाम
(ख) किसी	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(ग) कौन	प्रश्नवाचक सर्वनाम
(घ) मैं	पुरुषवाचक सर्वनाम
(ङ) जैसा, वैसा	संबंधवाचक सर्वनाम

उ०3. (क) मैं (ख) तुमने (ग) हम
(घ) खुद (ङ) आप

उ०4. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य
(घ) सत्य (ङ) असत्य

क्रियात्मक कार्य

एक दिन एक भूखा शेर जंगल में घूम रहा था। उसने पास ही के एक कुएँ में झाँककर देखा। उसे अपनी परछाई दिखाई दी। उसने समझा कि उसमें दूसरा शेर झाँक रहा है। वह उसे मारने के लिए उसके ऊपर झपटा एवं कुएँ में कूद पड़ा।

अध्याय 8

विशेषण

मौखिक प्रश्न

उ० (क) जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

(ख) विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उसे विशेष्य कहते हैं।

(ग) विशेषण के चार भेद होते हैं।

(घ) (1) गुणवाचक विशेषण (2) संख्यावाचक विशेषण (3) परिमाणवाचक विशेषण (4) सार्वनामिक विशेषण

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (ii)

उ०2.

	विशेषण	विशेष्य
(क)	लाल	कमीज
(ख)	पाँच	किताबें
(ग)	दो लीटर	दूध
(घ)	अमरूद	पेड़
(ङ)	ईमानदार	हरेन्द्र

उ०3.

वीर	सैनिक	**शरारती**	लड़का
मेहनती	नौकर	**नई**	साइकिल
विशाल	हिमालय	**चालाक**	लोमड़ी
लम्बी	नदी	**सुंदर**	फूल
होनहार	विद्यार्थी	**आगरा का**	ताजमहल

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) स्वयं करें।

(ख)

ऊँची इमारत   **एक लीटर** दूध   **थोड़ा** अनाज

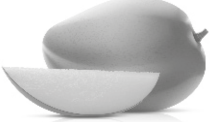

रसीला आम   **परिश्रमी** विद्‌यार्थी   **चालाक** लोमड़ी

(ग) ''योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है। यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है। मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है। यह विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह व्यायाम के बारे में नहीं है, लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनाकर, हमें जलवायु-परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। तो आओ एक अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को गोद लेने की दिशा में काम करते हैं।''

अध्याय 9

क्रिया

मौखिक प्रश्न

उ० (क) किसी काम का करना या होना क्रिया कहलाता है।

(ख) क्रिया के दो भेद हैं- सकर्मक क्रिया और अकर्मक क्रिया।

(ग) माली पौधे लगा रहा है।

(घ) जहाँ क्रिया के साथ कर्म पाया जाए, वहाँ सकर्मक क्रिया होती है जबकि जहाँ कर्ता और क्रिया होते हैं, वहाँ अकर्मक क्रिया होती है।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

उ०2. (क) तैरती है (ख) लिख रहा है (ग) दी

(घ) लगाता है (ङ) बनाता है

उ०3.

	क्रिया	भेद
(क)	गा (गाना)	सकर्मक
(ख)	नहा (नहाना)	अकर्मक
(ग)	सुना (सुनना)	सकर्मक
(घ)	खरीदी (खरीदना)	सकर्मक
(ङ)	रो (रोना)	अकर्मक

क्रियात्मक कार्य

• (क) पुजारी भजन कर रहा है।

(ख) माता जी कपड़े धोने लगीं।

(ग) मछली नाली में तैर रही है।

(घ) बच्चा चैन से सो रहा है।

(ङ) शिक्षक पढ़ा रहे हैं।

अध्याय 10

अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप

मौखिक प्रश्न

उ० (क) उच्चारण शुद्ध होने पर भाषा भी शुद्ध हो जाती है।

लिखित प्रश्न

उ०1.

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
प्रमात्मा	– परमात्मा	अतीथि	– अतिथि
गुरू	– गुरु	आर्शीवाद	– आशीर्वाद
परिश्रम	– परिश्रम	श्रीमति	– श्रीमती
साधू	– साधु	पड़ौसी	– पड़ोसी
मिठाईयाँ	– मिठाईयाँ		

उ०2. (क) गाजर काटकर खरगोश को खिलाओ।
(ख) पिताजी को दूध गरम करके दो।
(ग) मुझे तुमसे बात नहीं करनी।
(घ) फूलों की एक माला भगवान को चढ़ाओ।
(ङ) सीमा को इधर बुलाओ।

उ०3. (क) परीक्षा (ख) श्रीमती (ग) कोई
(घ) परिश्रम (ङ) अतिथि

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) (i) अध्ययन (ii) इसलिए (iii) स्वाथ्य
(iv) पुजारी (v) परंतु

(ख)

इसलिए	मुझे फल खरीदने हैं, इसलिए मैं बाजार जा रहा हूँ।
प्रभु	हम पर प्रभु की बड़ी कृपा है।
वायु	हमें वायु को स्वच्छ रखने के उपाय करने चाहिये।
स्वास्थ्य	उत्तम स्वास्थ्य ही हमारी वास्तविक सम्पत्ति है।
परंतु	मैं सुमित के घर गया परंतु उससे मिल न सका।
शिक्षा	शिक्षा मानव को सभ्य बनाती है।
पूज्य	शिक्षक हमारे पूज्य हैं।
आहार	वह संतुलित आहार का सेवन करता है।
किरन	प्रात:काल में सूर्य की किरन पृथ्वी पर पड़ते ही प्रकाश फैल जाता है।

अध्याय 11

विराम चिह्न

मौखिक प्रश्न

उ० (क) लिखते समय थोड़ा सा अधिक रुकने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) पूर्ण विराम चिह्न (।)

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

(घ) (iii)

उ०2. (क) महात्मा गाँधी ने कहा– ''गाय करुणा की मूर्ति है।''

(ख) तुम वहाँ क्यों गए थे?

(ग) माँ ने भिंडी, गोभी, मिर्ची और टमाटर खरीदे।

(घ) वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।

(ङ) मैं कल दिल्ली जाऊँगा।

उ०3.

?	प्रश्नवाचक चिह्न	।	पूर्ण विराम
!	विस्मयादिबोधक चिह्न	,	अल्प विराम
'' ''	उद्धरण चिह्न	;	अर्ध विराम

अध्याय 12
पर्यायवाची शब्द

मौखिक प्रश्न

उ० (क) समानार्थी शब्द को पर्यायवाची शब्द भी कहते हैं।

(ख) बगीचा, उद्यान, वाटिका

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

उ०2. (क) महिला – नारी (ख) पर्वत – गिरि

(ग) पानी – नीर (घ) मनुष्य – नर

(ङ) अग्नि – आग (च) शशि – चन्द्रमा

उ०3.

(क) पंकज, जलज, नीरज

(ख) हिरन, मृग, सारंग

(ग) साँप, सर्प, भुजंग

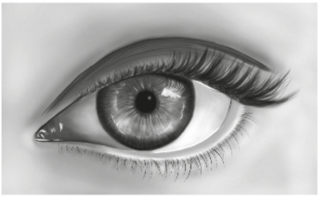

(घ) आँख, नयन, नेत्र

क्रियात्मक कार्य

•

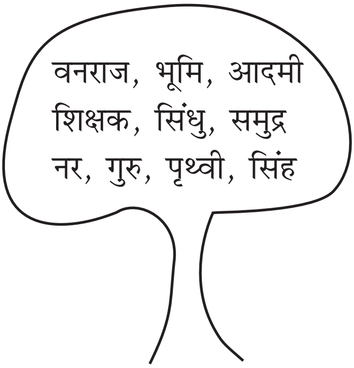

धरती	भूमि, पृथ्वी
सागर	समुद्र, सिंधु
शेर	सिंह, वनराज
अध्यापक	शिक्षक, गुरु
पुरुष	नर, आदमी

अध्याय 13

विलोम शब्द

मौखिक प्रश्न

उ० (क) उल्टा या विपरीत अर्थ देने वाले शब्द को विलोम शब्द कहते हैं।

(ख) आयात – निर्यात   लाभ – हानि

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii)   (ख) (i)   (ग) (iii)

उ०2. (क) आरम्भ – प्रारम्भ, शुरू, समाप्त

(ख) प्रथम – अन्तिम, आरम्भ, समाप्त

(ग) चतुर – मन्दबुद्धि, मूर्ख, पागल

(घ) आदर – सत्कार, अपमान, निरादर

(ङ) कोमल – कठोर, कड़ा, मुलायम

(च) जीत – पराजय, विजय, हार

उ०3. (क) अहिंसा   (ख) पराजय   (ग) अनुत्तीर्ण

(घ) दुर्गन्ध   (ङ) ज्ञान, प्रकाश

क्रियात्मक कार्य

शब्द		विलोम	शब्द		विलोम
छोटा	-	बड़ा	प्रसन्न	-	दुखी
मृत्यु	-	जन्म	मनोहारी	-	अमनोहारी नीरस
मेहनत	-	आराम	गरमाहट	-	ठंडक
जीवन	-	मरण	तेज़	-	धीमा

अध्याय 14

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

मौखिक प्रश्न

उ० (क) ये ऐसे शब्द होते हैं, जो अनेक शब्दों का एक शब्द में अर्थ प्रकट करते हैं, जैसे- प्रतिदिन होने वाला कार्य, दैनिक कहलाता है।

(ख) बहुमूल्य।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i)

(घ) (ii) (ङ) (iii)

उ०2.

जो खेती-बाड़ी करता हो	किसान
जो कभी न मरे	अमर
गाँव में रहने वाला	ग्रामीण
शाक-सब्जी खाने वाला	शाकाहारी
प्रतिदिन होने वाला	दैनिक
वर्ष में एक बार होने वाला	वार्षिक
जिसे डर न हो	निडर
खेल खेलने वाला	खिलाड़ी
जो नहीं बोल सकता	मूक
दया करने वाला	दयालु

उ०3. (क) विद्यार्थी (ख) मांसाहारी (ग) साप्ताहिक

(घ) अदृश्य (ङ) मूक

क्रियात्मक कार्य

उ० (क)

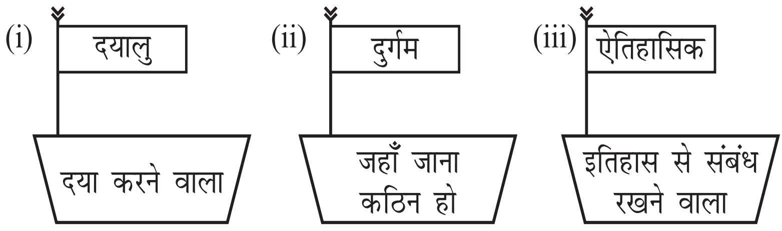

(iv) सैनिक — जो सेना में सेवा करे

(v) मासिक — माह में एक बार होने वाला

(vi) चित्रकार — जो चित्र बनाता है

(ख)

जो कपड़े सिलता है
–दर्जी

जो मिट्टी के बर्तन बनाता है
–कुम्हार

जो विद्यार्थियों को पढ़ाती है
–शिक्षिका

जो रोगी का इलाज करता है
–डॉक्टर

जो रोगी की देखभाल करती है
–नर्स

जो खेती बाड़ी करे।
–किसान

(ग)

1.	शहर में रहनेवाला	→	(ii) शहरी
2.	महीने में एक बार होने वाला	→	(iii मासिक
3.	जिसका मूल्य आँका न जा सके	→	(iv) अमूल्य
4.	नीचे लिखा हुआ	→	(v) निम्नलिखित
5.	वर्ष में एक बार होने वाला	→	(i) वार्षिक

अध्याय 15

मुहावरे

मौखिक प्रश्न

उ० (क) विशेष अर्थ प्रकट करने वाले वाक्यांशों को मुहावरे कहते हैं।

(ख) मारे-मारे फिरना।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

(घ) (i) (ङ) (ii)

उ०2. (क) सचेत होना (ख) कठिन परिश्रम करना

(ग) करारा जवाब देना (घ) बहुत थक जाना

(ङ) बुद्धिहीन होना

उ०3. (क) राघव के पिताजी कल रात चल बसे।

(ख) भारतीय सैनिक जान पर खेलकर देश की रक्षा करते हैं।

(ग) किसान खेतों में खून-पसीना एक करके अन्न उगाते हैं।

(घ) अध्यापक के कक्षा से जाते ही बच्चों ने कक्षा को आसमान पर उठा लिया।

(ङ) घर का शीशा टूटने पर पिताजी आग-बबूला हो गये।

(च) रात को बाहर खटपट की आवाज सुनकर मेरे कान खड़े हो गये।

क्रियात्मक कार्य

उ० (क)

अर्थ	**मुहावरा**
कुछ असर न होना	कान पर जूँ न रेंगना

वाक्य- शिक्षक के बहुत समझाने पर भी हरि के कान पर जूँ न रेंगी।

बहुत साधारण अंतर होना	उन्नीस-बीस का अंतर होना

वाक्य- दोनों बहनों में उन्नीस-बीस का अंतर है।

खुशियाँ मनाना	घी के दिये जलाना

वाक्य- अपने बेटे के अधिकारी बनने पर हरि ने घी के दीये जलाये।

हैरान रह जाना	दाँतों तले उँगली दबाना

वाक्य- रानी लक्ष्मीबाई की वीरता देखकर अंग्रेजों ने दाँतों तले उँगली दबा ली थी।

गड़बड़ी होना — दाल में काला होना

वाक्य- सेठ को पुलिस ने अकेले में बुलाया है, लगता है दाल में कुछ काला है।

(ख)

	मुहावरा	**अर्थ**
(1)	अंधे की लाठी	एकमात्र सहारा
(2)	अँगूठा दिखाना	साफ इंकार करना
(3)	आना-कानी करना	टाल-मटोल करना या मना करना
(4)	आकाश के तारे तोड़ना	असंभव कार्य करना
(5)	आस्तीन का साँप	कपटी मित्र
(6)	होश उड़ जाना	घबरा जाना
(7)	दाँत खट्टे करना	बुरी तरह हराना
(8)	नौ दो ग्यारह होना	भाग जाना
(9)	सिर धुनना	पछताना
(10)	दबे पाँव	बहुत धीमे

अध्याय 16
अपठित गद्यांश

अभ्यास

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)
(घ) (ii) (ङ) (i)

उ०2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)
(घ) (i)

अध्याय 19
कहानी लेखन एवं चित्र वर्णन

मौखिक प्रश्न

उ०1. एक गरमी की दोपहर थी। एक कौआ आकाश में उड़ रहा है। उसे बहुत तेज प्यास लगी थी। वह चारों ओर देखता है। उसे एक घड़ा दिखाई देता है परंतु उसमें बहुत कम पानी होता है।

तभी कौए की नजर थोड़ी दूर पर पड़े कंकड़ों पर पड़ती है। उन्हें देखकर कौए को एक युक्ति सूझती है। वह एक-एक कंकड़ अपनी चोंच से उठाकर घड़े में डालता जाता है।

कंकड़ से आधा घड़ा भर जाता है और पानी घड़े में ऊपर आ जाता है। कौआ अब अपनी चोंच घड़े के अन्दर डालता है, पानी उसकी चोंच तक ऊपर आ जाता है।

कौए की मेहनत रंग लाती है तथा वह पानी पीकर अपनी प्यास बुझा लेता है।

शिक्षा- हमें संकट के समय अपनी बुद्धि से काम लेना चाहिये।

उ०2. एक बार एक कुत्ते को कहीं से एक रोटी मिल गई। वह उसे अपने मुँह में दबाकर जा रहा था। तभी रास्ते में एक नदी आती है। नदी पार करने ने लिए नदी पर एक लकड़ी का पुल बना हुआ था। कुत्ता उस पुल से गुजर कर नदी पार कर रहा होता है तब ही उसकी नजर पानी में उसकी परछाई पर पड़ती है। उसे देखकर कुत्ते के मन में लालच आ जाता है। वह सोचता है कि क्यों न मैं एक ओर रोटी प्राप्त कर लूँ। ऐसा सोचकर वह अपनी परछाई पर जोर से भौंकता है और उसके मुँह से छूटकर रोटी पानी में गिर जाती है। अपने लालच के कारण वह अपनी एक रोटी को भी खो देता है।

शिक्षा- हमें लालच से बचना चाहिये।